सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 7 ● अंक: 287 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 24 नवम्बर, 2021

मूल्य ₹ 3/-

दूसरों की गलतियों से सीखो। तुम कभी इतना लम्बा नहीं जी सकते की सारी गलतियां खुद करो।

– ग्रुशो मार्क्स

दो दिन के दौरे पर कानपुर पहुंचे... 8 | उत्तराखंड: आम आदमी पार्टी ने... 3 | औरैया में भीषण सड़क हादसा... 7

पश्चिमी यूपी में सियासी चक्रव्यूह तैयार

अखिलेश-जयंत की जोड़ी करेगी खेला!

जाट और मुस्लिम वोटर रहेंगे निर्णायक, किसान आंदोलन से आरएलडी को मिली है संजीवनी

» सपा-आरएलडी के गठबंधन का औपचारिक ऐलान बाकी, सीटों पर भी बन चुकी है सहमति

» भाजपा को चारों ओर से घेरने का है प्लान, पूर्वांचल में राजभर से किया जा चुका हैं गठबंधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव से पहले प्रदेश का सियासी तापमान तेजी से चढ़ रहा है। भाजपा को सत्ता से हटाने का संकल्प लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। वे भाजपा को उसी के दांव से चित करने और सियासी समीकरणों को दुरुस्त करने में जुटे हैं। अखिलेश ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा के खिलाफ सियासी चक्रव्यूह तैयार कर दिया है। आरएलडी और सपा के बीच गठबंधन और सीटों का बंटवारा लगभग तय हो चुका है। हालांकि अभी इसका औपचारिक ऐलान बाकी है। जाहिर है अखिलेश और जयंत की जोड़ी यूपी में खेला करने की तैयारी कर चुकी है।

सत्ता में वापसी के लिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव बेहद सधी चालें चल रहे हैं। इस बार वे बड़े दलों की बजाय छोटे दलों से गठबंधन कर रहे हैं। पूर्वांचल में भाजपा को घेरने के लिए अखिलेश ने ओम प्रकाश राजभर की पार्टी सुभासपा से हाथ मिलाया है तो अब पश्चिमी यूपी में अपने समीकरण को दुरुस्त करने के लिए जयंत चौधरी को साथ लिया है। आरएलडी से गठबंधन फाइनल हो चुका हैं। अखिलेश-जयंत के बीच हुई मुलाकात के बाद सपा-आरएलडी में गठबंधन की पुष्टि भी हो चुकी है। अखिलेश से मुलाकात के बाद आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी ने बढ़ते कदम कैप्शन के साथ अपनी और अखिलेश की तस्वीर ट्वीट की। वहीं, अखिलेश ने भी जयंत के साथ एक तस्वीर साझा की और कैप्शन लगाया, जयंत चौधरी के साथ बदलाव की ओर। जयंत ने कहा कि दोनों दलों के बीच चुनाव लड़ने पर सहमति बन गई है। हालांकि, सीट बंटवारे का फॉर्मूला सामने नहीं आया। सूत्रों के मुताबिक आरएलडी को 36 सीटें मिल सकती हैं।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

136 सीटों पर जाट-मुस्लिम प्रभाव

उत्तर प्रदेश में जाट समुदाय की आबादी करीब 4 फीसदी है जबकि पश्चिमी यूपी में यह 20 फीसदी के आसपास है। वहीं, मुस्लिम आबादी यूपी में भले ही 20 फीसदी है, लेकिन पश्चिमी यूपी में 35 से 50 फीसदी तक है। जाट और मुस्लिम समुदाय सहारनपुर, मेरठ, बिजनौर, अमरोहा, मुजफ्फरनगर, बागपत और अलीगढ़-मुरादाबाद मंडल सहित पश्चिमी यूपी की 136 विधान सभा सीटों पर असर रखते हैं। सूबे की 136 विधान सभा सीटों में 55 सीटें ऐसी हैं, जहां जाट-मुस्लिम मिलकर 40 फीसदी से अधिक हो जाते हैं।

बदलेगा समीकरण

अखिलेश-जयंत चौधरी के मिलकर चुनावी मैदान में उतरने से पश्चिमी यूपी के सियासी समीकरण बदल सकते हैं। पश्चिम यूपी की सियासत में जाट और मुस्लिम काफी अहम भूमिका अदा करते हैं। आरएलडी का कोर वोटबैंक जहां जाट माना जाता है तो सपा का मुस्लिम। ऐसे में अखिलेश ने अपने साथ जयंत को जोड़कर मुस्लिम-जाट वोटों का मजबूत समीकरण बनाने की कोशिश की है।

सपा प्रमुख से मिले आप सांसद संजय सिंह

» दोनों नेताओं की मुलाकात से सियासत गर्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव से पहले प्रदेश में सियासी दांव-पेंच तेज हो गए है। सियासी दलों के नेताओं की मुलाकातों का दौर जारी है। इसी कड़ी में आज आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की। इस मुलाकात को लेकर सियासी अटकलें लगनी शुरू हो गई। हालांकि सपा ने दोनों नेताओं के बीच इस मुलाकात को शिष्टाचारिक भेंट बताया है। दरअसल, उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए आप के प्रभारी संजय सिंह लखनऊ स्थित 'जनेश्वर ट्रस्ट' के दफ्तर पहुंचे और वहां अखिलेश यादव से मुलाकात की। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई।

किसान नेता राकेश टिकैत का केंद्र सरकार को अल्टीमेटम

किसानों की मांगें मानी जाएंगी तभी खाली होगा बार्डर

» किसान संगठन ने सरकार के सामने रखी हैं छह नयी मांगें

» किसान नेता टिकैत ने 26 जनवरी तक का दिया वक्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजियाबाद। दिल्ली-उत्तर प्रदेश के गाजीपुर बार्डर पर किसानों के धरने की अगुवाई कर रहे भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने केंद्र सरकार को एक बार फिर चेतावनी दी है। राकेश टिकैत ने कहा कि अगर अगले साल 26 जनवरी से पहले तक किसानों की सभी बची छह मांगें मान ली जाएंगीं तो वे दिल्ली-एनसीआर के चारों बार्डर (सिंघु, शाहजहांपुर, टीकरी और गाजीपुर) से चले जाएंगे।

भाकियू नेता राकेश टिकैत ने कहा कि केंद्र सरकार ने घोषणा की है तो वे प्रस्ताव ला सकते हैं लेकिन फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य और 700 किसानों की मृत्यु भी हमारा मुद्दा है। सरकार को इस पर भी बात करनी चाहिए। गौरतलब है कि संयुक्त किसान मोर्चा ने छह नयी मांग-किसान संगठनों से वार्ता, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून बनाने, प्रदर्शनकारी किसानों और उनके नेताओं पर दर्ज मुकदमे वापस करने, लखीपुरखीरी कांड के पीड़ितों को न्याय दिलाने और दोषियों पर कार्रवाई, रखी है। इसके अलावा बिजली बिल, पराली जलाने से जुड़ी मांग भी है।

कृषि कानूनों की वापसी की प्रक्रिया शुरू, कैबिनेट ने दी मंजूरी

शीतकालीन सत्र में पेश किया जाएगा वापसी विधेयक

नई दिल्ली। तीन नए कृषि कानूनों को वापस लेने की पहली प्रक्रिया आज पूरी हो गई है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इन कानूनों की वापसी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट की साप्ताहिक बैठक में कृषि कानूनों की वापसी का प्रस्ताव रखा गया था। अब इसे मंजूरी मिलने के बाद संसद के आगामी सत्र में पेश किया जाएगा और दोनों सदनों से मंजूरी ली जाएगी। संसद का शीतकालीन सत्र 29 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर को देश के नाम संबोधन में तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की बड़ी घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि संसद के इसी सत्र में कानूनों की वापसी की प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी।

चुनाव से पहले प्रियंका गांधी एक और बड़ा वादा

सरकार बनी तो लड़कियों के लिए खुलेंगे दक्षता स्कूल

» बेटियों को दिए जाएगा कौशल विकास का प्रशिक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी चुनाव को लेकर लगातार घोषणाएं कर रहीं कांग्रेस की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी ने जनता से एक और वादा किया। प्रियंका गांधी ने स्वतंत्रता सेनानी रानीलक्ष्मी बाई की सेना दुर्गा वाहिनी की प्रमुख झलकारी बाई की जयंती पर कहा कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस सत्ता में आई तो हर जिले में महिलाओं के लिए झलकारी बाई कौशल विकास प्रशिक्षण विद्यालय खोले जाएंगे। इससे पहले भी प्रियंका गांधी लड़कियों और महिलाओं के लिए कई योजनाओं की घोषणा कर चुकी हैं।

कांग्रेस महासचिव ने वीरांगना झलकारी बाई को उनकी जयंती पर नमन करते हुए लड़की हूं लड़ सकती हूं अभियान के तहत महिलाओं में कौशल विकास और दक्षता बढाने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश में लड़कियों को दक्ष बनाने के लिए वीरांगना के नाम पर विद्यालय खोले जाएंगे। उन्होंने ट्वीट किया करते हुए कहा कि वीरांगना झलकारीबाई जी को नमन। कांग्रेस पार्टी ने निर्णय लिया है कि सरकार बनने पर झलकारी बाई जी जैसी वीरांगनाओं के नाम पर लड़कियों के लिए हर जिले में दक्षता विद्यालय खोले जाएंगे। दक्षता विद्यालयों में लड़कियों को कौशल विकास के प्रशिक्षण दिए जाएंगे कि लड़की हूं लड़ सकती हूं। प्रियंका गांधी इससे पहले कह चुकी हैं कि विधानसभा चुनाव में 40 प्रतिशत टिकट महिलाओं को देंगी। प्रियंका का कहना है कि महिलाओं में करुणा होती है। उनके राजनीति में आने से शुचिता का माहौल बनेगा। महिलाएं महिलाओं के बारे में सोचेंगी। उनके लिए उपयोगी नीतियां बनाएंगी। जैसे परिवार को संभालती हैं, वैसे देश को संभालेंगी। कांग्रेस सरकार बनी तो कोरोना काल में परेशान किसानों के बिजली बिल आधे किए जाएंगे। उस अवधि में जिन व्यापारियों ने बिना उपभोग के बिजली के बिल जमा किए हैं, वह माफ करेंगे।

महिलाओं से किए गए बड़े वादे

कांग्रेस ने चुनाव में महिलाओं को 40 फीसदी टिकट देने का वादा किया था। महिलाओं के लिए अलग से घोषणा पत्र भी जारी किया था, जिसमें छात्राओं को स्मार्टफोन और स्कूटी, बुजुर्ग महिलाओं और विधवाओं को हर महीने एक हजार रुपये पेंशन देने का ऐलान भी किया। इसके अलावा सालाना तीन मुफ्त गैस सिलेंडर और महिलाओं के लिए फ्री बस सेवा देने के साथ आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को 10 हजार रुपये प्रति महीने मानदेय देने का वादा किया था।

कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र में किला फतह की कोशिश में बीजेपी

» सत्ता से लेकर संगठन तक ने झोंकी ताकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले हर स्तर पर तैयारी पूरी कर लेने की कोशिश में है। सत्ता से लेकर संगठन तक ने पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी आगामी चुनाव में अहम भूमिका अदा करने वाले सभी मोर्चों पर जबरदस्त किलेबंदी की तैयारी कर रही है। इसी के तहत हर क्षेत्र में बूथ सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सम्मेलन में खुद उपस्थित होकर संगठन के सबसे निचले पायदान पर बैठे बूथ अध्यक्षों से सीधा संवाद कर रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को निराला नगर ग्राउंड पर कानपुर-बंदेलखंड क्षेत्र का सम्मेलन आयोजित किया गया है।

पार्टी के नजरिए से देखें तो भाजपा के कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र में 17 जिले आते हैं जबकि प्रशासनिक तौर पर 14 जिले शामिल हैं। इस क्षेत्र में कानपुर, कानपुर देहात, कन्नौज, फर्रुखाबाद, इटावा, औरैया, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, उरई, झांसी, ललितपुर और फतेपुर की विधानसभा की 52 सीटे हैं। पिछले चुनाव में 47 सीटें भाजपा जीती थी। इस बार भाजपा की कोशिश है कि सभी सीटें उसकी झोली में आ जाएं। इसी लिहाज से किलेबंदी जारी है। मंगलवार को भाजपा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री कार्यकर्ताओं को इस बात का संदेश देंगे कि यदि हम इसी तरह सक्रिय रहे तो कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र की सभी 52 सीटों पर पार्टी का कब्जा होगा।

भाजपा राज में नहीं मिला पिछड़ों को आरक्षण : राजभर

» बदले की भावना से काम कर रही योगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि भाजपा की योगी सरकार ने जितना दमन व अधिकारों का हनन पिछड़ी जातियों का किया है, उतना उत्पीड़न व दमन किसी भी सरकार में नहीं हुआ। पिछड़ों के अधिकारों व सम्मान के लिए ही सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को दोबारा मुख्यमंत्री बनाना चाहता हूं। केंद्र सरकार से किसानों का भरोसा उठ चुका है।

मुजफ्फरनगर के कुकड़ा में ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि योगी सरकार केवल बदले की भावना से काम कर रही है। अपराधियों पर भी कार्रवाई केवल जाति धर्म देखकर दुर्भावना के साथ की जा रही है। राजभर ने बढ़ती महंगाई, आरक्षण, नौकरी व कारोबार बचाने के लिए सिर्फ एक उपाय बताते हुए भाजपा सरकार को हटाने की लोगों से अपील की। राजभर ने कहा भाजपा सरकार जनता के लिए अच्छे दिन नहीं ला सकी अब केवल भाजपा को हटाकर ही अच्छे दिन लाए जा सकते हैं। राजभर ने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछडों को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ नहीं दिया। सपा की सरकार आने पर कोटा पूरा किया जाएगा।

शिक्षा में सुधार को सरकार ने उठाए प्रभावी कदम : जितिन प्रसाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार में प्राविधिक शिक्षा मंत्री जितिन प्रसाद ने बरेली में स्थित जनता जनार्दन स्कूल में विज्ञान भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार की ओर से शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रहीं योजनाओं के बारे में बताया। कहा कि तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। उन्होंने शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सेवानिवृत्त शिक्षक पदम सिंह को अच्छी शिक्षा देने के लिए सराहना की। सांसद अरुण सागर ने सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताया। राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत्त शिक्षक पदम सिंह ने शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चों की उपलब्धियों के बारे में बताया।

यूपी में 350 से अधिक सीटें जीतेगी भाजपा : अनुराग ठाकुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है और वह लगातार जनता में झूठ फैलाने का काम कर रहा है। भाजपा की मोदी और योगी सरकार ने देश हित में कार्य किए हैं। 2022 में उप्र विधानसभा चुनाव में भाजपा 350 से अधिक सीटें जीतकर दोबारा सरकार बनाएगी।

यह बातें दिल्ली से मुजफ्फरनगर जाते हुए सिवाया टोल प्लाजा पर रुके केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहीं। विधायक और भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। मंत्री के साथ भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष प्रियांशु द्विवेदी, विधायक सोमेंद्र तोमर व वरुण गोयल भी थे। टोल प्लाजा पर कार्यकर्ताओं ने उनका फूल माला पहनाकर स्वागत किया। अनुराग ठाकुर ने कार्यकर्ताओं से आने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटने को कहा। अनुराग ठाकुर ने कहा जिस तरह से योगी सरकार प्रदेश में प्रत्येक व्यक्ति तक जन सुविधाओं को पहुंचाने का कार्य कर रही है, वह काबिले तारीफ है। गुंडाराज खत्म होने के साथ कानून का राज स्थापित हुआ है। यह बदलते उप्र की तस्वीर है। मोहन किनौनी, मनिदर विहान, मुदित शर्मा, गौरव राणा, गौरव चौहान, राहुल चौहान मौजूद रहे।

विपक्ष ने कागजों में काम किए, सीएम योगी ने धरातल पर उतारा : स्वामी प्रसाद मौर्य

» अच्छा काम करें तभी जनाधार बढ़ेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुशीनगर। श्रम एवं सेवायोजन मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित विपक्ष पर जमकर प्रहार किया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव ने सिर्फ फाइलों में विकास कार्य दर्ज कराए हैं और योगी सरकार ने उसे धरातल पर उतारा है। उन्होंने कहा कि जो विकास कार्य पूरा करता है श्रेय भी उसी को जाता है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि अखिलेश यादव के कागजी कार्य को योगी सरकार ने पूरा किया इसलिए अखिलेश यादव को योगी सरकार की सराहना करनी चाहिए।

पूर्वांचल को जो तोहफा योगी सरकार ने दिया उसकी प्रशंसा करनी चाहिए। अखिलेश यादव को पूर्वांचल वासियों के साथ खड़ा होना चाहिए और योगी सरकार के कार्य की सराहना करनी चाहिए न कि उसमें मीन मेख निकालना चाहिए। स्वामी प्रसाद ने कहा कि आशा है अखिलेश यादव को सद्बुद्धि आएगी। वे अच्छी बात करें और अच्छा काम करें तभी उनका जनाधार बढ़ेगा। जनता की आंख में धूल झोंकेंगे तो ये जनता अब जान चुकी है। अपने विभाग के साढ़े चार साल की उपलब्धियों को पत्रकारों के सामने गिनते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पिछली सरकार ने सिर्फ 34 लाख श्रमिकों का पंजीकरण हुआ था, जबकि हमारी सरकार बनने के बाद पिछले साढ़े चार साल में 1 करोड़ 25 लाख श्रमिकों का पंजीकरण हुआ है। पूर्व की सरकारों में श्रमिकों के लिए 18 कल्याणकारी योजनाएं चलाईं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश में श्रमिकों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को केंद्र सरकार ने मॉडल के रूप में लेकर पूरे देश में लागू किया है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सरकार श्रमिकों के बेटियों की शादी के लिए वृहद कार्यक्रम आयोजित कर रही है। आगामी 26 नवंबर को अयोध्या में और 29 नवंबर को कुशीनगर सामूहिक शादी समारोह आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा श्रमिकों के बेटे बेटियों को पढ़ने के लिए प्राइमरी से लेकर तकनीकी शिक्षा तक छात्रवृति दी जा रही है।

उत्तराखंड: आम आदमी पार्टी ने जगाई तीसरे विकल्प की नई उम्मीद

» आप के आने से बदली प्रदेश की सियासी फिजा

» एक साल पहले ही पार्टी ने की सियासत में एंट्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में तीसरे विकल्प की उम्मीद जगा रही आम आदमी पार्टी दिल्ली का सियासी करिश्मा उत्तराखंड में दोहराने को बेताब है। उत्तराखंड नवनिर्माण का संकल्प लेकर आप चुनाव रणनीति बनाने में जुटी है। पार्टी पहले ही 70 सीटों पर चुनाव लड़ने के साथ ही कर्नल अजय कोठियाल(सेनि.) को मुख्यमंत्री प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। आम आदमी पार्टी केजरीवाल सरकार के दिल्ली मॉडल के दम पर उत्तराखंड में सरकार बनाने का दावा कर रही है।

हालांकि एक साल पहले ही आप पार्टी ने उत्तराखंड की सियासत में एंट्री की है। सियासी जमीन तलाशने के लिए आप शुरूआत से जनहित और भ्रष्टाचार के मुद्दों को लेकर सक्रिय है। अरविंद केजरीवाल उत्तराखंड के दौरे पर हर परिवार को 300 यूनिट मुफ्त बिजली, युवाओं को रोजगार गारंटी देने का एलान का सत्ता में आने पर छह माह के अंदर एक लाख नौकरी, बेरोजगार युवाओं को नौकरी लगने तक पांच हजार मासिक बेरोजगारी भत्ता, उत्तराखंड को आध्यात्मिक राजधानी बनाने का वादा कर चुके हैं। आप पार्टी के केजरीवाल सरकार के दिल्ली मॉडल को भी उत्तराखंड में प्रयोग कर रही है। आप का दावा है कि प्रदेश के लोगों की तीसरे विकल्प के रूप में आम आदमी पार्टी से काफी उम्मीदें है। पार्टी ने जो वादे किए हैं, उन्हें सत्ता में आते ही पूरा किया जाएगा।

सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी आप

आप पार्टी 2022 के चुनाव में सभी 70 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के साथ ही कर्नल अजय कोठियाल मुख्यमंत्री प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। इसके अलावा पार्टी ने मुफ्त बिजली गारंटी कार्ड, रोजगार गारंटी अभियान चला कर घर-घर, गांव-गांव तक लोगों तक संपर्क साधने की कोशिश की है। कर्नल कोठियाल प्रदेश के जिले और विधानसभा क्षेत्र में रोजगार गारंटी यात्रा निकाल कर पार्टी को मजबूत करने में जुटे हैं।

बेरोजगारी का ग्राफ लगातार बढ़ा

कोठियाल ने कहा कि पिछले पांच सालों में उत्तराखंड में बेरोजगारी का ग्राफ लगातार बढ़ा है। पूरे देश में बेरोजगारी के आंकड़ों में उत्तराखंड पहले स्थान पर है। प्रदेश के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। लेकिन सरकार के पास रोजगार मुहैया कराने का कोई भी विजन नहीं है।

रोजगार के मुद्दे पर सीएम धामी को दी बहस की चुनौती

रोजगार के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी नेता कर्नल अजय कोठियाल (सेनि) ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को खुली बहस की चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि समय व स्थान सीएम खुद तय करें। हम सरकार को रोजगार देने के लिए नए तरीके बताएंगे। उन्होंने सवाल किया कि यदि सरकार ने रोजगार दिया है तो बेरोजगार युवा अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर भटकने को मजबूर क्यों हैं। सरकार साढ़े चार सालों में रोजगार पर श्वेत पत्र जारी करें। आप नेता कोठियाल ने फेसबुक पेज पर पोस्ट कर मुख्यमंत्री धामी को रोजगार के मुद्दे पर खुली बहस करने का निमंत्रण दिया है।

चुनाव से पहले 58 हजार ग्राम प्रधानों को यूपी सरकार ने दिया बड़ा तोहफा

» प्रधानों के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार बढ़ेंगे

» पांच दिसंबर को ग्राम प्रधान सम्मेलन में होगा ऐलान

» पंचायतों में स्थानीय सरकार का कामकाज शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार राज्य के 58,189 ग्राम प्रधानों की मांग को पूरा करते हुए बड़ा उपहार देने जा रही है। राज्य सरकार प्रधानों के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार बढ़ाने जा रही है। इसके तहत वे गांवों के विकास के लिए फंड जारी करा सकेंगे। पिछले दिनों गांव के मुखिया का मानदेय व वित्तीय अधिकार बढ़ाने के साथ ही पंचायत प्रतिनिधि कल्याण कोष बनाने सहित छह मुद्दों पर अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास व ग्राम प्रधानों के बीच सहमति बन गई थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पांच दिसंबर को राजधानी में ग्राम प्रधान सम्मेलन में इस संबंध में ऐलान कर सकते हैं। ग्राम पंचायतों में स्थानीय सरकार का कामकाज शुरू हो रहा है। प्रधानों को दो चरणों में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। सरकार ग्राम प्रधानों की वर्षों से लंबित समस्याओं व मांगों का निस्तारण करा रही है। राष्ट्रीय पंचायतीराज ग्राम प्रधान संगठन व अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास मनोज कुमार सिंह के बीच अगस्त, सितंबर और अक्टूबर माह में तीन बार बैठक हो चुकी है। पिछली बैठक में आठ बिंदुओं पर चर्चा हुई। संगठन का दावा है कि छह बिंदुओं पर सहमति बन गई है।

अलग से बजट का भी प्रावधान

संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता ललित शर्मा ने बताया कि गांवों में पंचायत प्रतिनिधि कल्याण कोष का गठन करने पर सहमति बनी है। इसमें ग्राम प्रधान या सदस्य आदि की किसी हादसे में निधन होता है तो कोष से उनके आश्रितों की मदद की जाएगी। प्रधानों ने सुझाव दिया कि सरकार चाहे तो राज्य वित्त के धन में कटौती करके यह कोष बना सकते हैं लेकिन, अपर मुख्य सचिव ने कहा कि सरकार इसके लिए अलग से बजट का प्रावधान करेगी। पंचायतों में ग्राम प्रधान को अभी तक दो लाख रुपये की स्वीकृति देने का अधिकार है इसे दो लाख रुपए और बढ़ाने की तैयारी है। इसी तरह से प्रधानों के प्रशासनिक अधिकार भी बढ़ेंगे। उन्होंने बताया कि जिला योजना में प्रधानों को सदस्य के रूप में प्रतिनिधित्व मिल सकता है। ग्राम प्रधानों को अब तक 3500 रुपये प्रतिमाह मानदेय मिल रहा है इसे बढ़ाने की तैयारी है।

भुगतान का अधिकार देने पर भी सहमति

प्रधानों का कहना है कि रोजगार सेवक को 10 हजार रुपये प्रतिमाह मिलते हैं उसे देखते हुए बढ़ोतरी की जाए। गांवों में विकास कार्य कराने के लिए स्वतंत्र तकनीकी विशेषज्ञ की सेवा लेने की छूट मिल सकती है। अभी तक ब्लॉक स्तर का तकनीकी अधिकारी ही सभी गांवों का कामकाज देखता है। मनरेगा के तहत मैटेरियल आपूर्ति ग्राम पंचायत को देने व प्रधानों को मनरेगा के भुगतान का अधिकार देने पर भी सहमति बनी है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

धुंध में शासन और बेदम लोग

वर्ष 2000 में सरकार ने संसद में स्वीकार किया था कि महानगरों में वायु प्रदूषण आर्थिक गतिविधियों, शहरीकरण और औद्योगिकीकरण में वृद्धि को प्रदर्शित करता है। वर्ष 2008 में सरकार ने संसद को सूचित किया कि केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों द्वारा वायुमंडलीय वायु गुणवत्ता की निगरानी की जाती है और उपायों की प्रभावकारिता निर्धारित करने के लिए आंकड़े प्रसारित किए जाते हैं, लेकिन वर्ष 2015 में जाकर वायु आपातकाल शब्द प्रचलन में आया। दिसंबर, 2015 में प्रकाश जावड़ेकर ने कृषि अपशिष्ट (पराली) निपटान, कचरा जलाने, लैंडफिल, निर्माण, परिवहन उत्सर्जन आदि से पार्टिकुलेट सामग्री के उत्सर्जन और घातक स्तर, दोनों उत्पन्न करने वाले कारकों से निपटने के लिए वायु अधिनियम की धारा 18 के तहत 39 कदमों की घोषणा की। वहीं वर्ष 2017 में स्कूल बंद करने पड़े, विदेशी राजनयिकों ने विरोध किया और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रोक दी गईं। वर्ष 2019 में आपातकालीन उपायों की घोषणा की गई और क्रिकेट खिलाड़ियों ने मास्क पहनकर प्रशिक्षण लिया। वर्ष 2021 में एक ग्रेडेड रेस्पॉन्स ऐक्शन प्लान लागू है, फिर भी आपात स्थिति है। दो दशक बाद ऐसा लगता है कि कुछ नहीं बदला है। अगस्त, 2021 में सरकार ने 1,114 निगरानी केंद्रों का आंकड़ा संसद में साझा किया, जो बताता है कि 132 शहर पीएम (पार्टिकुलेट मैटर) के स्तर के मामले में राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मानक पर खरा नहीं उतरते। इनमें से 17 शहर उत्तर प्रदेश के हैं और 23 महाराष्ट्र के। दिल्ली, कानपुर, मुरादाबाद, गाजियाबाद, अमृतसर, लुधियाना, आगरा जैसे 50 से अधिक शहरों ने 100 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से ऊपर पीएम स्तर की सूचना दी, जो कि 31 माइक्रोग्राम/एम3 के मानक से तीन गुना अधिक है। खराब वायु गुणवत्ता के दुष्प्रभाव होते हैं।

सितंबर 2021 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने खुलासा किया कि वायु प्रदूषण दुनिया भर में 70 लाख से अधिक असामयिक मौतों का कारण था। इनमें से करीब 25 फीसदी मौतें भारत में होती हैं। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी-2019 के अनुमानों के अनुसार, वायु प्रदूषण भारत में 17 लाख से अधिक मौतों का कारण है-यानी एक घंटे में 1,900 से अधिक मौतें। वर्ष 1998 के बाद से पेश किए गए सबूतों के बावजूद एक के बाद एक आने वाली सरकार ने प्रदूषण और मौतों के संबंध को नकारने का काम किया है। जैसा कि अगस्त, 2021 में संसद में फिर बताया गया कि खासकर वायु प्रदूषण से होने वाली मृत्यु/बीमारी का सीधा संबंध स्थापित करने के लिए देश में कोई निर्णायक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। ऐसा नहीं है कि समस्या नई है या समाधान पता नहीं। सफलता के लिए स्पष्ट राजनीतिक इच्छाशक्ति वाला चैंपियन चाहिए, जो स्वच्छ हवा के लिए संघर्ष करे। पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट से कहा गया था कि बारिश से हवा साफ हो सकती है। स्वच्छ हवा और अच्छे स्वास्थ्य का सार्वजनिक अधिकार मौसम की दया या प्रार्थना पर नहीं छोड़ा जा सकता।

संजय

अगस्त, 2021 में सरकार ने 1,114 निगरानी केंद्रों का आंकड़ा संसद में साझा किया, जो बताता है कि 132 शहर पीएम के स्तर के मामले में राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मानक पर खरा नहीं उतरते। इनमें से 17 शहर उत्तर प्रदेश के हैं और 23 महाराष्ट्र के। दिल्ली, कानपुर, मुरादाबाद, गाजियाबाद, अमृतसर, लुधियाना, आगरा जैसे 50 से अधिक शहरों ने 100 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से ऊपर पीएम स्तर की सूचना दी, जो कि 31 माइक्रोग्राम/एम3 के मानक से तीन गुना अधिक है। खराब वायु गुणवत्ता के दुष्प्रभाव होते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

गंभीर आपराधिक मामलों की जांच में देरी

अनूप भटनागर

पंजाब, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल सहित आठ गैर भाजपा सरकारों द्वारा अपने राज्यों में सीबीआई को जांच की अनुमति वापस लिये जाने से एक नया विवाद शुरू हो रहा है। सीबीआई को दी गयी सहमति वापस लिये जाने का मामला अब शीर्ष न्यायालय के संज्ञान में लाया गया है। सवाल उठ रहा है कि क्या भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और धनशोधन के मामलों में जानबूझकर बाधा डालकर संदिग्धों को बचाने के प्रयास हो रहे हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में वैचारिक मतभेद और असहमति होना स्वाभाविक है। शीर्ष अदालत भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति को प्रेशर वाल्व मानती है। लेकिन इसकी आड़ में भ्रष्टाचार, सुनियोजित अपराध और दूसरे अंतर्राज्यीय अपराधों की जांच करने वाली केंद्रीय एजेंसियों को राज्यों द्वारा सामान्य प्रक्रिया में दी गयी संस्तुति वापस लेना गंभीर सवाल पैदा करता है। आठ राज्यों की सरकारों का ऐसा रवैया अनायास इस आशंका को जन्म देता है कि शायद ये ऐसे अपराधों में संलिप्त आरोपियों को संरक्षण देने का प्रयास कर रही हैं। इन आठ राज्यों ने डीएसपीई कानून की धारा छह के तहत दिल्ली विशेष पुलिस प्रतिष्ठान (सीबीआई) को पहले दी गई सामान्य सहमति वापस ले ली है। इनमें पंजाब, राजस्थान, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, केरल और मिजोरम शामिल हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद दो मई से राज्य में हुई हिंसा की घटनाओं की जांच का काम केन्द्रीय जांच ब्यूरो को सौंपने के उच्च न्यायालय के निर्णय को शीर्ष अदालत में चुनौती देने का राज्य सरकार का फैसला और सुशांत सिंह राजपूत की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत की जांच के लिए मुंबई गए सीबीआई के जांच दल के साथ कोविड प्रोटोकॉल के नाम पर हुआ व्यवहार इस तरह की आशंका को पुख्ता करता है। इन राज्यों द्वारा केन्द्र के साथ वैचारिक मतभेदों की वजह से डीएसपीई कानून की धारा छह के तहत केन्द्रीय जांच ब्यूरो को अपने यहां जांच के लिए पहले दी गई सामान्य सहमति वापस लेने का नतीजा यह है कि भ्रष्टाचार के 150 से अधिक मामलों की जांच अधर में लटकी हुई है। उच्चतम न्यायालय को उपलब्ध कराई जानकारी के अनुसार इन आठ राज्यों को 2018 से जून, 2021 के दौरान 150 से भी ज्यादा अनुरोध उनकी विशिष्ट सहमति के लिए भेजे गए लेकिन उसे अभी तक सहमति नहीं मिली है। राज्यों के इस रवैये से उच्चतम न्यायालय भी चिंतित है। न्यायालय ने हाल ही में इस तथ्य का जिक्र करते हुए कहा कि ये अनुरोध आय के ज्ञात स्रोत से अधिक

संपत्ति अर्जित करने, विदेशी मुद्रा को नुकसान, बैंकों से धोखाधड़ी करने जैसे आरोपों की जांच से संबंधित हैं।

न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति एमएम. सुंदरेश की पीठ ने यह कहने में भी संकोच नहीं किया कि यह स्थिति वांछनीय नहीं है। भ्रष्टाचार और धनशोधन के मामलों में हमेशा ही सख्त रुख अपनाने वाली शीर्ष अदालत ने कहा कि इनमें 78 प्रतिशत मामले मुख्य रूप से देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले बैंक धोखाधड़ी के बड़े मामलों से संबंधित हैं। पीठ की इस तरह की सख्त टिप्पणी के मद्देनजर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि भ्रष्टाचार के इस तरह के गंभीर मामलों में सीबीआई को अपने राज्य में जांच की अनुमति नहीं देकर राज्य सरकारें किसका हित साध रही हैं। यह भी संयोग ही है कि सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों को सहमति नहीं देने वाली राज्य सरकारें गैर भाजपाई हैं।

राजनीतिक लाभ-हानि को ध्यान में रखते हुए आपराधिक मामलों की जांच करने के लिए सहमति प्रदान नहीं करने का नतीजा यह होता है कि इनकी जांच लंबे समय तक अधर में ही लटकी रहती है। जांच पूरी होने में विलंब की वजह से ऐसे मामले अदालत में नहीं पहुंच पाते और अगर अदालत में पहुंच जाएं तो किसी न किसी आधार पर कई मामलों में न्यायिक रोक लग जाती है। यह सारे तथ्य केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्यशैली और उसके मुकदमों में दोष सिद्धि की दर के बारे में केंद्रीय जांच ब्यूरो को हलफनामा दाखिल करने के शीर्ष अदालत के आदेश के जवाब में सामने आयी। जांच ब्यूरो ने अपने हलफनामे में दावा किया कि उससे संबंधित 13,200 से ज्यादा मामले देश की विभिन्न अदालतों में लंबित हैं। इनमें शीर्ष अदालत में 706 मामले हैं। राज्य सरकारों के रवैये की वजह से सीबीआई की जांच अधर में होने और विभिन्न स्तरों पर अदालतों में लंबित मामलों के बारे में अब शीर्ष अदालत को ही कोई न कोई तर्कसंगत समाधान निकालना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि केन्द्र और राज्यों के बीच सीबीआई मामलों की जांच विभिन्न कारणों से लंबे समय से अधर में लटकी होने का विवाद जल्द सुलझा लिया जायेगा। यही नहीं, अदालतों में लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के बारे में शीर्ष अदालत केंद्रीय जांच एजेंसियों के साथ ही राज्य सरकारों को भी उचित आदेश देगी।

मीथेन का उत्सर्जन कम कर करें विकास

भरत झुनझुनवाला

सभी जीवित पदार्थों के जीवन में कार्बन तथा हाइड्रोजन तत्व रहते हैं और उनकी मृत्यु के बाद ये आर्गेनिक पदार्थ सड़ने लगते हैं। यदि आसपास ऑक्सीजन उपलब्ध हुई तो शरीर का कार्बन, कार्बन डाईऑक्साइड बनकर उत्सर्जित होता है और पदार्थ में हाइड्रोजन, पानी बनकर समाप्त हो जाता है। लेकिन यदि सड़ते समय आसपास ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं हुई तो यही कार्बन और हाइड्रोजन आपस में मिलकर मीथेन गैस बनकर उत्सर्जित होती है। कार्बन डाईऑक्साइड की तुलना में मीथेन गैस से धरती का तापमान अधिक बढ़ता है।

धरती से जो गर्मी की किरणें बाहर निकलती हैं, यदि वे सीधे अंतरिक्ष में पहुंच सकें तो वे धरती के वायुमंडल से निकल जाती हैं और धरती का तापमान नहीं बढ़ता है। इसके विपरीत यदि वायुमंडल में ये किरणें रुक जाएं तो वायुमंडल गर्म हो जाता है और तदनुसार धरती का तापमान भी बढ़ता है। जब ये किरणें वायुमंडल में जाती हैं तो वायु में उपलब्ध अणुओं के बीच ये हलचल पैदा करती हैं। जैसे कार्बन डाइआक्साइड के कार्बन और आक्सीजन परमाणुओं के बीच में हलचल पैदा होती है। इससे उस अणु का तापमान बढ़ जाता है और वह गर्मी हमारे वायुमंडल में रुक जाती है और धरती का तापमान बढ़ाने लगती है। मीथेन के परमाणुओं में हलचल अधिक होती है, इसलिए कार्बन डाईऑक्साइड की तुलना में मीथेन गैस से धरती का तापमान 28 से 80 गुणा अधिक बढ़ता है। इसलिए हाल में सम्पन्न हुए कॉप-26 सम्मेलन में लगभग 100 देशों के बीच सहमति बनी है कि वे मीथेन के उत्सर्जन को कम करेंगे। धान के खेतों से मीथेन भारी मात्रा में उत्सर्जित होती है। जब खेतों में लबालब पानी लंबे समय तक भरा रहता है तो भूमि की सतह पर पत्तियां और भूमि के अंदर के कीड़े सड़ने लगते हैं और सड़कर पहले पानी में उपलब्ध ऑक्सीजन को सोख लेते हैं। उसके बाद उनकी सड़न से मीथेन बनने लगती है। पशुओं की पाचन क्रिया में भी उनके पेट से मीथेन गैस उत्सर्जित होती है।

मांसाहारी भोजन के उत्पादन में मीथेन गैस ज्यादा उत्पन्न होती है क्योंकि उसमें पशुओं को मारकर ही मांस पैदा किया जाता है। पशुओं के मल-मूत्र और गोबर के सड़ने से भी मीथेन गैस बनती है। बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं के तालाबों में जो पीछे से पत्तियां और मृत पशुओं के शरीर बह कर आते हैं, वे भी तालाब की तलहटी में स्थिर होकर सड़ने लगते हैं। तलहटी में उपस्थित आक्सीजन शीघ्र समाप्त हो जाती है और ये मीथेन उत्सर्जन करने लगते हैं। नेशनल एनवायरमेंट इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट नागपुर ने पाया है कि टिहरी बांध से मीथेन उत्सर्जित हो रही है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने कहा है कि मीथेन गैस के उत्सर्जन को कम करते हुए आर्थिक विकास को बढ़ाना संभव है। जैसे धान के खेत में यदि पानी लगातार न भरा जाए और कुछ दिन पानी भरने के बाद उसे 2-4 दिन के लिए निकाल दिया जाए और पुन: पानी भरा जाए तो नये पानी में ऑक्सीजन उपलब्ध हो जाती है और मीथेन का उत्सर्जन समाप्त हो जाता है। धान की उपज भी कम नहीं होती। अत: रुक-रुक कर पानी भरने से पानी की बचत और मीथेन उत्सर्जन की कमी दोनों हो सकती है। पशुओं के सम्बन्ध में पाया गया कि गाय की तुलना में बैल अधिक मीथेन उत्सर्जित करते हैं। अध्ययन किया जाए तो हम निश्चित रूप से पायेंगे कि गाय और भैंस की कुछ प्रजातियां मीथेन ज्यादा उत्सर्जित करती हैं और कुछ कम। इसलिए यदि हम कम मीथेन और अधिक दूध देने वाली प्रजातियों की गाय और भैंस को बढ़ायें तो मीथेन उत्सर्जन कम कर सकते हैं। यदि हम शाकाहारी भोजन अपनाएं तो मीथेन उत्सर्जन सहज ही कम हो जाएगा क्योंकि पशुओं के मांस के उत्पादन के समय पशुओं द्वारा पाचन से अथवा उनके गोबर के सड़ने से जो मीथेन उत्सर्जित होती है, वह समाप्त हो जाएगी। यदि हम गोबर से गैस बनाएं तो उत्सर्जित मीथेन से चूल्हा और बत्ती जला सकते हैं। तब वह मीथेन कार्बन डाईऑक्साइड के रूप में उत्सर्जित होगी और हमारे पर्यावरण को कम हानि पहुंचाएगी। जलविद्युत के स्थान पर यदि हम सोलर ऊर्जा को बढ़ावा दें, जैसा कि सरकार कर भी रही है तो जलविद्युत परियोजनाओं के तालाबों से उत्सर्जित होने वाली मीथेन पर रोक लगायी जा सकती है।

आर्थिक दृष्टि से लाभप्रद इन सुझावों को लागू करने के लिए सरकार को अपनी टैक्स पॉलिसी में सुधार करना होगा। धान के खेतों से उत्सर्जन कम करने के लिए पानी का मूल्य सिंचित क्षेत्र के स्थान पर आयतन के हिसाब से वसूल करना होगा। तब किसान के लिए यह फायदेमंद होगा कि वह पानी को रोक कर सिंचाई करे। पशुओं की प्रजातियों पर रिसर्च के लिए सरकार को निवेश करना होगा। शाकाहारी भोजन को प्रोत्साहन देने के लिए मांस के उत्पादन में उपयोग किये गये कच्चे माल पर भारी टैक्स लगायें तो मांस महंगा होगा तो लोग शाकाहारी भोजन की ओर बढ़ेंगे। एलपीजी का दाम बढ़ाएं तो किसान के लिए गोबर गैस को बनाना लाभप्रद हो जाएगा। पूर्व में एलपीजी के उपलब्ध न होने से किसान गोबर गैस बनाते थे। लेकिन सस्ती एलपीजी उपलब्ध होने से अब गोबर गैस का उत्पादन शून्यप्राय हो गया है। जलविद्युत पर भी इसी प्रकार मीथेन टैक्स लगाना चाहिए। इन सब टैक्स सुधारों से निश्चित रूप से देश के आम आदमी पर भार पड़ेगा लेकिन यदि वसूल किए गए टैक्स को सरकारी खपत के लिए उपयोग करने के स्थान पर जनता को नकद वितरण कर दिया जाए तो यह भारी नहीं पड़ेगा। जैसे मान लीजिये देश में 40 करोड़ लोग हैं जो चावल खाते हैं।

हार्ट से लेकर कैंसर तक से लड़ने में मददगार है

चुकंदर

चुकंदर हरफनमौला पौधा है। इसके कंद से हम सलाद, सब्जी और जूस बनाते हैं जबकि इसके पत्तों से भी जूस और सब्जी बनाई जाती है यानी चुकंदर को सब्जी, करी, चटनी, सलाद, जूस आदि किसी भी तरह से बनाकर सेवन किया जा सकता है। चुकंदर के जूस का कई बीमारियों के इलाज में सेवन किया जाता है । चुकंदर विटामिन और मिनरल्स का भंडार है। इसमें फैट बहुत कम पाया जाता है। इसमें पोटैशियम, आयरन, मैग्नीशियम, नाइट्रेट, विटामिन बी6 जैसे कई पोषक तत्वों पाए जाते हैं। सौ ग्राम चुकंदर में 36 कैलोरी ऊर्जा मिलती है। इसके अलावा 7 ग्राम प्रोटीन, 1 ग्राम फैट, 6 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 5 ग्राम फाइबर, 380 मिलीग्राम पोटैशियम और अन्य कई पदार्थ पाए जाते हैं। पके हुए चुकंदर की तुलना में कच्चा चुकंदर स्वास्थ्य के लिए ज्यादा फायदेमंद है। अधिकांश लोग चुकंदर का जूस

पीना पसंद करते हैं जो स्वास्थ्य के लिए ज्यादा फायदेमंद है। तो आइए जानते हैं चुकंदर के क्या-क्या फायदे हैं-

हाइपरटेंशन में बेहद असरदार

हार्वर्ड मेडिसिन की रिसर्च के मुताबिक चुकंदर में उच्च मात्रा में नाइट्रेट पाया जाता है, जिसे शरीर का डाइजेस्टिव सिस्टम नाइट्रिक ऑक्साइड में बदल देता है। जब ब्लड सर्कुलेशन का दबाव धमनियों और नसों पर ज्यादा बढ़ जाता है तब हाइपरटेंशन होता है। नाइट्रेड ऐसा कंपाउड है जिसके कारण नसों और धमनियों की सिकुड़न कम होती है। यानी खून की धमनियों में खून के दबाव के कारण अनावश्यक जो दबाव होता है, उसे धमनियों को फैला कर कम कर देता है। यही कारण है कि चुकंदर ब्लड प्रेशर को कम करने में मददगार है।

कैंसर से लड़ने में मददगार

चुकंदर में कैंसर से लड़ने का गुण मौजूद है। चुकंदर में बीटासायनिन नाम का पदार्थ पाया जाता है। यह एक पिग्मेंट है जिसके कारण

चुकंदर का रंग लाल होता है। अध्ययन में पाया गया है कि बीटासायनिन के कारण चुकंदर कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने में मददगार है। पेट के कैंसर में यह विशेष तौर पर काम करता है। चुकंदर में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट भी कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने में मददगार है।

डायबिटीज मरीजों के लिए भी फायदेमंद

चुकंदर डायबिटीज मरीजों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें मौजूद आयरन, पोटैशियम और मैंग्नीज ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता है। चुकंदर में विटामिन सी, फोलेट और फाइबर भी होता है जो इम्यूनिटी को बूस्ट करता है और डाइजेस्टिव सिस्टम को स्ट्रॉन्ग करता है।

स्किन पर लाता है चमक

चुकंदर का जूस स्किन के लिए बहुत फायदेमंद है। चुकंदर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स फ्री रेडिकल्स को हटाने में मददगार हैं। स्किन की कोशिकाओं में फ्री रेडिकल्स के आ जाने से स्किन पर एजिंग इफेक्ट आ जाता है। स्किन पर झुर्रिया, कील-मुहासे आदि को खत्म करने में चुकंदर का जूस बहुत फायदेमंद है।

हंसना मना है

साली- जीजा जी, उसने कपड़े धोए और उसे कपड़े धोने पड़े... इन दोनों वाक्यों में क्या अंतर है? जीजा जी - साली, पहले वाक्य से व्यक्ति के अविवाहित है, और दूसरे वाक्य से उसके शादीशुदा होने का पता चलता है...

साली ने जीजा से पूछा - जीजा जी, क्या आप जर्मन भाषा पढ़ सकते हो? जीजा ने कहा - क्यों नहीं, बिल्कुल पढ़ सकता हूं साली - वो कैसे जीजा जी? जीजा - साली जी, बस अगर जर्मन भाषा हिंदी या अंग्रेजी में लिखी हो तब पढ़ सकता हूं।

भाभी जी सब से एक सवाल पूछ रही थी, तभी वहां देवर जी आ गए तब भाभी ने देवर से पूछा - ये बताओ देवर जी, I am going to eat Food का मतलब होगा? देवर- भाभी जी, मैं खाना खाने जा रहा हूं.. भाभी - अरे देवर जी आप खाना खाने नहीं जा सकते, मैं ये सवाल 20 लोगों से पूछ चुका हूं, और वो भी यही बोल रहे थे, देवर जी आप तो मेरे सवाल का जवाब बताकर जाओ

3 बच्चों का बाप चौथी शादी कर रहा था, फेरों के समय एक बच्चा रोने लगा तभी पापा ने बाला चुप हो जा नहीं तो अगली बार नहीं लाऊंगा।

एक 88 साल के बुजुर्ग को फोन आया... सर हम बैंक से बोल रहे हैं, म्युचुअल फंड ले लो,साल में भाव डबल हो जाएंगे। बुजुर्ग ने जवाब दिया - बेटा, मैं उम्र के उस मोड़ पर हूं कि केले भी कच्चे नहीं खरीदता।

कहानी — जीत किसकी

बादशाह अकबर जंग में जाने की तैयारी कर रहे थे। फौज पूरी तरह तैयार थी। बादशाह भी अपने घोड़े पर सवार होकर आ गए। साथ में बीरबल भी थे। बादशाह ने फौज को जंग के मैदान में कूच करने का निर्देश दिया। बादशाह आगे-आगे थे, पीछे-पीछे उनकी विशाल फौज चली आ रही थी। चारों ओर गंभीरता थी। रास्ते में बादशाह की जिज्ञासा हुई और उन्होंने बीरबल से पूछा क्या तुम बता सकते हो कि जंग में जीत किसकी होगी, बीरबल। बीरबल ने कहा- हुजूर, इस सवाल का जवाब तो मैं जंग के मैदान में पहुंचकर ही दूंगा। कुछ देर बाद फौज जंग के मैदान में पहुंच गई। बीरबल ने चारों ओर देखा फिर कहा हुजूर, अब मैं आपके सवाल का जवाब देता हूं और जवाब यह है कि जीत आपकी ही होगी। यह तुम अभी कैसे कह सकते हो, जबकि दुश्मन की फौज भी बहुत विशाल है। उसके पास भी अच्छे योद्धा हैं। कई फौजों को इस फौज ने पराजित किया है। उसके सेनापति का बड़ा नाम है। बादशाह ने शंका जाहिर की। बीरबल ने कहा- हुजूर! दुश्मन हाथी पर सवार है और हाथी तो सूंड से मिट्टी अपने ऊपर ही फेंकता है तथा अपनी ही मस्ती में रहता है, जबकि आप घोड़े पर सवार हैं और घोड़ों को तो गाजी मर्द कहा जाता है। घोड़ा आपको कभी धोखा नहीं देगा। उस जंग में जीत बादशाह अकबर की ही हुई। जीत के बाद बादशाह ने बीरबल के अनुमान की सराहना की। इस कहानी से मिलने वाली

शिक्षा- अधिकांश युद्ध बुद्धि-कौशल, फौज की मारक क्षमता और सेनापतियों की सूझबूझ से ही जीते गए हैं। बीरबल जो स्वयं भी एक अच्छे सेनापति थे, वे इस बात को जान गए थे कि यह युद्ध हाथियों के दम पर नहीं, घोड़ों की चपलता से ही जीता जा सकता है। इसलिए उन्होंने बादशाह अकबर द्वारा वह युद्ध जीतने की भविष्यवाणी कर दी थी, जो बिल्कुल सत्य सिद्ध हुई।

8 अंतर खोजें

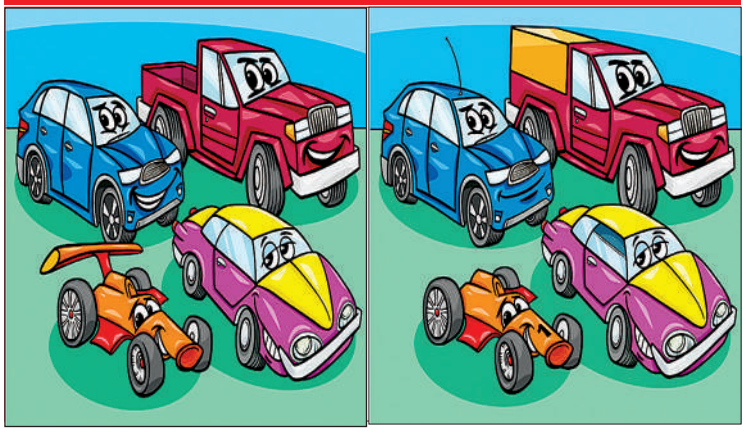

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। घरेलू कार्य समय पर होंगे। सुख-शांति बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी।

वृषभ — भूमि व भवन के खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। बड़ा लाभ के योग हैं। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। जल्दबाजी न करें। धनागम होगा।

कर्क — परिवार के छोटे सदस्यों के अध्ययन तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लापरवाही न करें। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। धनार्जन होगा।

सिंह — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। गृहिणियां विशेष सावधानी रखें। रसोई में चोट लग सकती है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

कन्या — विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

तुला — आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय-व्यापार लाभदायक रहेगा। पुराने शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। लापरवाही न करें।

वृश्चिक — उत्साह बढ़ेगा। कार्य की बाधा दूर होकर स्थिति लाभप्रद रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें।

धनु — कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबारी अनुबंध होंगे।

मकर — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास मनोनुकूल रहेंगे। अपनी देनदारी समय पर चुका पाएंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा।

कुम्भ — किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल होगी। आय में वृद्धि होगी।

मीन — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेंगी। तनाव रहेगा। कुसंगति से हानि होगी। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

इनसाइड एज 3 का ट्रेलर रिलीज

एंटरटेनमेंट ने अमेजन ओरिजिनल सीरीज इनसाइड एज के तीसरे सीजन का एक शानदार ट्रेलर रिलीज किया है। करन अंशुमन द्वारा क्रिएट किए गए और कनिष्क शर्मा द्वारा डायरेक्ट किए गए नए सीजन में कट्टर प्रतिद्वंदियों के बीच हो रहे एक बड़े खेल में काफी कुछ दांव पर है। 3 दिसंबर 2021 को दुनियाभर के 240 से अधिक देशों और सीमाओं में प्राइम मेंबर्स इनसाइड एज सीज़न 3 के सभी 10 एपिसोड को स्ट्रीम कर सकते हैं। मैदान पर और मैदान के बाहर, दोनों जगह दुश्मनी गहरी होने के साथ, भारतीय क्रिकेट की कमानी हासिल करने की होड़ में नए और गंदे रहस्यों का खुलासा होने वाला है। दो सीजन की शानदार सफलता के बाद, जैसा की ट्रेलर में दिखाया गया है, तीसरी किश्त में और भी ज्यादा सरप्राइज, ज्यादा रहस्य, और ज्यादा मनोरंजन का वादा है जो इसमें मौजूद

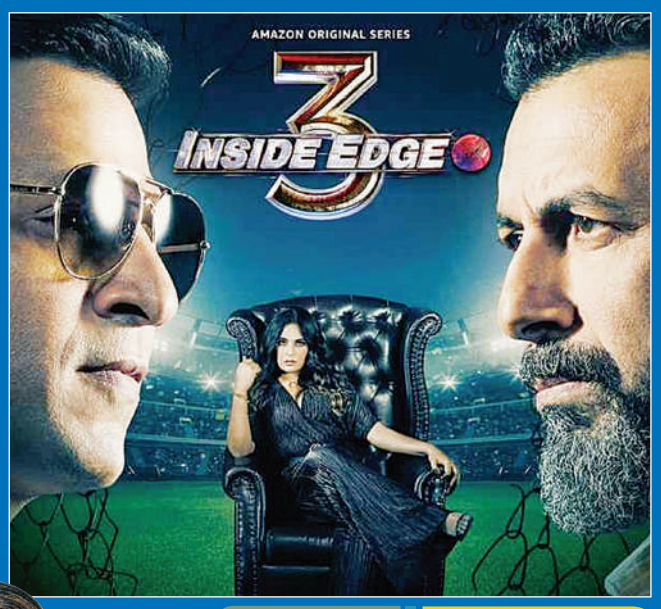

नाटकीय मोड़ को कई गुना बढ़ा देते हैं। क्रिएटर करन अंशुमन ने कहा, इनसाइड एज के साथ हमारा इरादा हमेशा ये रहा है कि हमने पिछले सीज़न को जहां पर छोड़ा था उसी ऊंचाई को फिर से हासिल करें और नई कहानी, घुमाव, पात्रों और विषमताओं के साथ एक ऐसा कथानक पेश करें जिससे दर्शकों का कुतूहल बना रहे। विक्रांत भाईसाहब का सामना से लेकर मुंबई मैवरिक के लिए भारतीय क्रिकेट की सबसे बड़ी जगह के रास्ते तक, इस सीज़न का प्लॉट बेहद मनोरंजक है और इसमें आपके लिए ऐसे सरप्राइज और रहस्य मौजूद हैं जिसकी आपने उम्मीद ही नहीं की होगी।

निर्देशक कनिष्क वर्मा ने कहा, पहले सीज़न से ही इनसाइड एज को इसके प्रशंसकों की ओर से मिले प्यार और सराहना से हम सभी अभिभूत हैं और हमारा एकमात्र उद्देश्य है इस सीजन में भी उनहें उसी बराबरी का रोमांच और मनोरंजन पेश करना। हमने प्रत्येक पात्र को कथानक के मूल से जोड़ने की कोशिश की है, इसलिए स्क्रीन पर जो कुछ भी घटित होता है उससे दर्शक तुरंत जुड़ जाता है और उन्हें इस दिलचस्प कहानी की ओर खींच लाता है। बता दें कि सीजन 3 में मैदान के भीतर और इसके साथ ही मैदान के बाहर भी नए रहस्य और नई रणनीतियां का जल्द ही खुलासा होगा।

बॉलीवुड | मसाला

जेनेलिया डिसूजा ने परी जैसी खूबसूरती से जीता फैंस का दिल

जेनेलिया डिसूजा बॉलीवुड की सबसे क्यूट एक्ट्रेस में से एक हैं। भले ही फिल्मों में वो अधिक एक्टिव ना हों लेकिन आज भी उनकी फैन फॉलोइंग में कोई कमी नहीं आई है। उन्हें इंस्टाग्राम पर 8 मिलियन से अधिक लोग फॉलो करते हैं। जेनेलिया डिसूजा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। जेनेलिया ने अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर की है जिसमें वो क्रॉप टॉप और स्कर्ट में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में जेनेलिया डिसूजा परी से कम नहीं लग रही हैं। फैंस भी उनकी तस्वीरों पर तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। इन तस्वीरों में जेनेलिया डिसूजा दिखने में बहुत ही प्यारी लग रही हैं। अपने इस लुक को उन्होंने ईयरिंग और नेकलेस के साथ कंप्लीट किया है। इस तस्वीर में भी जेनेलिया बहुत ही खूबसूरत लग रही हैं। उनका ये लुक कमाल का लग रहा है। जेनेलिया डिसूजा ने बॉलीवुड में तुझे मेरी कसम से डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके साथ रितेश देशमुख थे। पहली ही फिल्म के बाद से दोनों रिलेशनशिप में थे। जेनेलिया ने इसके बाद कई और अच्छी फिल्में की लेकिन शादी और बेबी के बाद उन्होंने ब्रेक लिया लेकिन अब उनके फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि वो जल्द वापसी करेंगी।

बॉलीवुड | मन की बात

स्लमडॉग मिलेनियर फेम फ्रिडा पिंटो बनी मां

फिल्म स्लमडॉग मिलेनियर से रातों-रात स्टार बनीं एक्ट्रेस फ्रिडा पिंटो ने अपने सभी फैंस को बड़ी खुशखबरी दी है। दरअसल, एक्ट्रेस ने एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया है। इस बात की जानकारी एक्ट्रेस ने खुद अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपने सभी चाहने वालों को दी। इसी के साथ उन्होंने बेटे की एक झलक भी दिखाई है। फ्रिडा ने अपने इंस्टाग्राम पर पति कॉरी ट्रान की भी एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें नन्हें बेटे को उनके ऊपर सोते हुए देखा जा सकता है। वहीं दूसरी फोटो में एक्ट्रेस ने बेटे को गले लगाया हुआ है। फ्रिडा ने बच्चे की खुशखबरी पति कॉरी के जन्मदिन के खास मौके पर दी है। उन्होंने इसके साथ कैप्शन में लिखा, जन्मदिन मुबारक डैडा कॉरी। फ्रिडा ने अपनी इस पोस्ट में लिखा, मैं तुम्हें अपना पति, दोस्त और एक साथी मानती हूं। तुम्हें एक पिता की भूमिका निभाते देखना, मुझे भावुक कर देता है। आपके ऐसा करने से नींद से वंचित मां को भी आराम मिलता है और आपको पता नहीं है कि मैं इसकी कितनी आभारी हूं। मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं। इसी पोस्ट में एक्ट्रेस ने बेटे के नाम का खुलासा भी कर दिया है। बता दें कि फ्रिडा ने बेटे का नाम रूमी रे रखा है। उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, रूमी रे, तुम भाग्यशाली हो बेटा। हालांकि फ्रिडा ने इस बात की जानकारी नहीं दी है कि उनके बेटे का जन्म कब हुआ। बता दें कि कॉरी ने भी इन तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, जन्मदिन पर सबसे खूबसूरत तोहफा। हमारे प्यारे बेटे के लिए शुक्रिया। मैं हर दिन तुम्हें और चाहने लगा हूं।

अनोखी मछली जिसके हर दिन टूट जाते हैं 20 दांत!

दुनिया में कई तरह के विचित्र जीव पाए जाते हैं जिनकी अजीबोगरीब शक्तियां और विशेषताएं होती हैं। कोई अपनी शरीर की बनावट के कारण अनोखा है तो किसी के पास ऐसी ताकतें हैं जिसके बारे में जानकर लोग दंग हो जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही जीव के बारे में बताने जा रहे हैं। ये एक ऐसी मछली है जो शिकार करने में बहुत तेज है मगर खास बात ये है कि इस मछली के हर दिन 20 दांत टूट जाते हैं और हर दिन 20 नए दांत उग आते हैं। पैसिफिक लिंगकॉड मछली दिखने में जितनी विचित्र लगती है उतने ही इसके दांत अजीबोगरीब होते हैं। ये मछली सर्वहारी होती है यानी ये पानी के अंदर मौजूद घास और पत्तियां भी खाती है और अन्य मछलियों का भी शिकार करती है। मछली के बड़े से मुंह में 500 से ज्यादा बेहद नुकीले दांत होते हैं जो जबड़ों में दो लाइन में जड़े रहते हैं। आगे वाले दांत से ये मछली अपना शिकार पकड़ती है और पीछे वाले से उसे चबाती है बिल्कुल वैसे ही जैसे इंसान दांतों का इस्तेमाल करते हैं। मगर इन दातों की एक बेहद अनोखी खासियत होती है। कैलिफोर्निया के पास नॉर्थ पैसेफिक में पाई जाने वाली लिंगकॉड मछली 5 फीट तक लंबाई में बढ़ सकती है और इसका वजन 80 पाउंड तक हो सकता है। मछली खतरनाक शिकारी है मगर इसके दांत हर दिन गिर जाते हैं और हर दिन नए उगते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि मछली के हर दिन करीब 20 दांत झड़ते हैं और 20 नए दांत उगते हैं। ये प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है। यूनिवर्सिटी ऑफ वॉशिंग्टन की डॉक्टर कार्ली कोहीन का कहना है कि मछली के मुंह में हर बोनी सर्फेस दांतों से कवर रहता है। नेशनल जियोग्राफिक से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उनके ऊपरी और निचले जबड़े बिल्कुल हमारी तरह होते हैं मगर वो ज्यादा लचीले होते हैं जिसके चलचे मछली जरूरत के मुताबिक उसे फैला सकती है। हालांकि दातों के रोज उगने और टूटने से उसके दांत नुकीले कैसे बने रहते हैं इस बारे में वैज्ञानिक अभी भी नहीं जानते हैं। ह्यूस्टन की राइस यूनिवर्सिटी के एक वैज्ञानिक ने बताया कि मछली अपने बेहद नुकीले दांतों से शिकार करती है जो हर शिकार के बाद कमजोर होते जाते हैं और उनका नुकीलापन भी खत्म हो जाता है। ऐसे में अगर उन्हें अपने दातों से अपने शिकार को मजबूती से पकड़ना है तो उनके दातों का नुकीला होना बहुत जरूरी है। इसलिए प्राकृतिक रूप से ही उनके दांत टूटते और उगते रहते हैं।

अजब-गजब | यहां जाने वाले का बच कर लौटना है नामुमकिन

वीरान गुफा में है 5 लाख साल पुराना खजाना

दुनिया में कई तरह के विचित्र जीव पाए जाते हैं जिनकी अजीबोगरीब शक्तियां और विशेषताएं होती हैं। कोई अपनी शरीर की बनावट के कारण अनोखा है तो किसी के पास ऐसी ताकतें हैं जिसके बारे में जानकर लोग दंग हो जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही जीव के बारे में बताने जा रहे हैं। ये एक ऐसी मछली है जो शिकार करने में बहुत तेज है मगर खास बात ये है कि इस मछली के हर दिन 20 दांत टूट जाते हैं और हर दिन 20 नए दांत उग आते हैं।

पैसिफिक लिंगकॉड मछली दिखने में जितनी विचित्र लगती है उतने ही इसके दांत अजीबोगरीब होते हैं। ये मछली सर्वहारी होती है यानी ये पानी के अंदर मौजूद घास और पत्तियां भी खाती है और अन्य मछलियों का भी शिकार करती है। मछली के बड़े से मुंह में 500 से ज्यादा बेहद नुकीले दांत होते हैं जो जबड़ों में दो लाइन में जड़े रहते हैं। आगे वाले दांत से ये मछली अपना शिकार पकड़ती है और पीछे वाले से उसे चबाती है बिल्कुल वैसे ही जैसे इंसान दांतों का इस्तेमाल करते हैं। मगर इन दातों की एक बेहद अनोखी खासियत होती है। कैलिफोर्निया के पास नॉर्थ पैसेफिक में पाई जाने वाली लिंगकॉड मछली 5 फीट तक लंबाई में बढ़ सकती है और इसका

वजन 80 पाउंड तक हो सकता है। मछली खतरनाक शिकारी है मगर इसके दांत हर दिन गिर जाते हैं और हर दिन नए उगते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि मछली के हर दिन करीब 20 दांत झड़ते हैं और 20 नए दांत उगते हैं। ये प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है। यूनिवर्सिटी ऑफ वॉशिंग्टन की डॉक्टर कार्ली कोहीन का कहना है कि मछली के मुंह में हर बोनी सर्फेस दांतों से कवर रहता है। नेशनल जियोग्राफिक से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उनके ऊपरी और निचले जबड़े बिल्कुल हमारी तरह होते हैं मगर वो ज्यादा लचीले होते हैं जिसके चलचे मछली जरूरत के मुताबिक उसे फैला सकती है। हालांकि दातों के रोज उगने और टूटने से उसके दांत नुकीले कैसे बने रहते हैं इस बारे में वैज्ञानिक अभी भी नहीं जानते हैं। ह्यूस्टन की राइस यूनिवर्सिटी के एक वैज्ञानिक ने बताया कि मछली अपने बेहद नुकीले दांतों से शिकार करती है जो हर शिकार के बाद कमजोर होते जाते हैं और उनका नुकीलापन भी खत्म हो जाता है। ऐसे में अगर उन्हें अपने दातों से अपने शिकार को मजबूती से पकड़ना है तो उनके दातों का नुकीला होना जरूरी है। इसलिए प्राकृतिक रूप से ही उनके दांत टूटते व उगते रहते हैं।

औरैया में भीषण सड़क हादसा तीन लोगों की मौत, दो जख्मी

» ट्रैक्टर से टकराई बुलेरो, मरने वालों में आठ माह की मासूम भी शामिल

» शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के औरैया में मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। औरैया कन्नौज मार्ग पर बेला थाना क्षेत्र के लिए पुरवा रावत और पटना गांव के बीच तेज रफ्तार बुलेरो ट्रैक्टर से जा टकराई। हादसे में बुलेरो सवार तीन की मौके पर ही मौत हो गई।

बेला थाना क्षेत्र के पुरवा ललाऊ निवाई राधाकृष्ण का परिवार सुखा पुरवा कन्नौज से शादी समारोह में शामिल होकर बुलेरो से अपने घर ललऊपुरवा आ रहे थे। जैसे ही यह लोग पुरवा रावत के पास पहुंचे तभी बुलेरो चालक सुनील ने संतुलन खो दिया और आगे चल रहे ट्रैक्टर से जा टकराई। हादसे में मोहित (22) पुत्र राधाकृष्ण, अर्चना पत्नी सुनील व उनकी आठ माह की पुत्री की मौके पर मौत हो गई जबकि सुनील, राहुल घायल हो गए। घटना की जानकारी पर पहुंचे ग्रामीणों ने जाम लगा दिया। मौके पर बेला, दिबियापुर, सहयल थाने की पुलिस के साथ एएसपी मौके पर जा पहुंचे। आक्रोशित लोगों को पुलिस समझाती रही। तीन किलो मीटर लंबा जाम लग गया। घायलों को अस्पताल भेजा गया है।

दारोगा भर्ती में नकल कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» 15 लाख में पास कराने की ली थी गारंटी, एसटीएफ ने की कार्रवाई

गोरखपुर। दारोगा भर्ती की ऑनलाइन परीक्षा में नकल कराने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है। गोरखपुर व महराजगंज के रहने वाले आरोपियों ने 15 लाख में परीक्षा पास कराने की गारंटी ली थी। कई परीक्षा केंद्र के संचालकों से इनकी साठगांठ थी। एसटीएफ निरीक्षक ने रामगढ़ताल थाने में कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जालसाजी करने का मुकदमा दर्ज कराया है।

एसटीएफ को सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की ओर से आयोजित उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं अन्य पदों की सीधी भर्ती ऑनलाइन परीक्षा-2021 में गोरखपुर में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा की तैयारी है। सूचना पर टीम सक्रिय हुई तो पता चला कि अश्वनी दूबे केंद्र संचालक, मार्डेटो वेन्चर्स प्राइवेट लिमिटेड, अनुभव सिंह, क्लस्टर हेड एनएसईआईटी गोरखपुर, आशीष शुक्ला, केंद्र संचालक कैवेलियर एनीमेशन सेंटर एनएसईआईटी गोरखपुर, दीपक, दिवाकर उर्फ रिन्टू एवं सेनापति, केन्द्र संचालक सिद्धि विनायक आनलाइन सेंटर गोरखपुर, नित्यानन्द गौड़, संतोष यादव, रजनीश दीक्षित, केन्द्र संचालक ओम ऑनलाइन सेन्टर, मिलकर नकल कराने की योजना बना रहे हैं। टीम ने घेराबंदी कर तीन लोगों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान एनएसईआईटी के कलस्टर हेड व गुलरिहा थाना क्षेत्र के शिवपुर सहबाजगंज निवासी अनुभव सिंह, महराजगंज के अहिरौली गांव निवासी नित्यानंद गौड़ व चिलुआताल थाना क्षेत्र के महेसरा निवासी सेनापति साहानी के रूप में हुई। आरोपितों से पूछताछ के बाद एसटीएफ गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में छापेमारी कर रही है। आरोपितों के कब्जे से दो आधार कार्ड, एक डीएल, तीन मोबाइल फोन, चार पेन ड्राइव, एक पेन कार्ड, एक वोटर आईडी और 6100 रुपये बरामद हुए।

मायके आई पत्नी की डंडे से पीटकर हत्या

» स्वजनों ने आरोपी पति की पिटाई कर पुलिस को सौंपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। मायके आई पत्नी की पति ने डंडे से जमकर पिटाई कर दी। पत्नी की इलाज के दौरान मौत हो गई। हत्या करने के बाद भाग रहे हत्यारोपी को ग्रामीणों ने दौड़ाकर पकड़ा और पिटाई कर पुलिस के हवाले कर दिया।

कोतवाली क्षेत्र के सलामत अली का पुरवा निवासी पिंकी पुत्री भइयाराम का विवाह छह वर्ष पहले प्रतापगढ़ जिले के सांगीपुर थाने के बनियानार निवासी राममिलन के साथ हुआ था। चार दिन पहले पिंकी अपने ससुराल से मायके आई थी। पति राममिलन सूरत में नौकरी करता है। मंगलवार को राममिलन अपनी ससुराल आया था। शाम को राममिलन पत्नी पिंकी की डंडे से पिटाई कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिवारजन खून से लथपथ पिंकी को इलाज के सीएचसी ले गये। हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। संयुक्त जिला अस्पताल में ले जाने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आरोपी भागने लगा। परिवारजनों की चीख-पुकार पर ग्रामीणों ने दौड़ाकर पकड़ लिया। पहले आरोपी की पिटाई की, उसके बाद सूचना देकर पुलिस के हवाले कर दिया। मृतका की बहन ने बताया कि उनकी बहन को ससुराल वाले काफी दिनों से परेशान कर रहे थे। कई बार मारपीट की। खाना नहीं दे रहे थे। जिसके कारण चार दिन पहले 112 नंबर पुलिस से शिकायत की थी। इसके बाद वह मायके चली आई थी।

दिल्ली दौरे पर गोविंद, राजस्थान कांग्रेस के पुनर्गठन की चर्चा गर्म

पीसीसी चीफ ने सोनिया गांधी से की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान कांग्रेस जल्द ही नए तेवर और बदले हुए कलेवर में नजर आएगी। टीम अशोक गहलोत के गठन के बाद अब टीम गोविंद डोटासरा का जल्द ही गठन होने वाला है। पार्टी में बड़े स्तर पर पदाधिकारियों की नियुक्तियां होंगी। पीसीसी चीफ डोटासरा ने दो दिन के दिल्ली दौरे में मंगलवार को पार्टी आलाकमान सोनिया गांधी समेत पार्टी के दूसरे बड़े नेताओं से मुलाकात की है। पिछले कुछ समय से खाली-खाली सा नजर आ रहा कांग्रेस संगठन अब पूरा भरा जाएगा और मिशन 2023 के लिए पार्टी पूरी ताकत से जुटेगी।

राजस्थान कांग्रेस में कार्यकारिणी का विस्तार होगा। इसमें उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव और प्रवक्ताओं से लेकर पार्टी के विभिन्न विभागों और प्रकोष्ठों में नियुक्तियां की जाएंगी। प्रदेश स्तर पर 100 से ज्यादा नए पदाधिकारी बनाए जा सकते हैं और इनमें कुछ विधायकों और दूसरे जनप्रतिनिधियों को भी एडजस्ट किया जाएगा। माना जा रहा है कि अगले एक महीने में प्रदेश कांग्रेस में सभी स्तर की नियुक्तियां कर ली जाएंगी। अब जल्दी ही कांग्रेस में नियुक्तियों की सूचियां आना शुरू हो जाएंगी। पार्टी में अभी प्रदेश स्तर पर केवल 39 लोगों की टीम काम कर रही हैं। इनमें से भी 4-5 पदाधिकारी हाल ही में मंत्रिमंडल और मुख्यमंत्री के सलाहकार के रुप में एडजस्ट हो चुके हैं और वे जल्दी ही अपना पद छोड़ेंगे। वहीं जिला और ब्लॉक स्तर के पद पिछले 16 महीने से खाली हैं। राजस्थान में जल्द से जल्द ब्लॉक अध्यक्ष और जिला अध्यक्ष बनवाना पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा की प्राथमिकता है। पार्टी जमीनी स्तर पर मजबूत होगी तभी मिशन 2023 का सपना साकार हो सकेगा।

बिहार के राज्यपाल फागू चौहान दिल्ली तलब

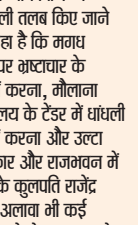

पटना। बिहार के राज्यपाल फागू चौहान को अचानक पीएमओ ने दिल्ली बुलाया है। वे आज दिल्ली रवाना होंगे। राज्यपाल चौहान को किस लिए बुलाया गया है, यह अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन इससे अटकलें तेज हो गई हैं। राजभवन के एक अधिकारी ने राज्यपाल को दिल्ली तलब किए जाने की पुष्टि की है। कयास लगाए जा रहे है कि राज्य की नीतीश सरकार व राजभवन के बीच विभिन्न मामलों में बढ़ती दूरी भी चौहान को दिल्ली तलब किए जाने की एक वजह हो सकती है। माना जा रहा है कि मगध विश्वविद्यालय के कुलपति राजेंद्र प्रसाद पर भ्रष्टाचार के आरोपों के बावजूद उन पर कार्रवाई नहीं करना, मौलाना मज्हरुल हक अरबी-फारसी विश्वविद्यालय के टेंडर में धांधली पर भी प्रभारी कुलपति पर कार्रवाई नहीं करना और उल्टा उन्हें सम्मानित करना भी नीतीश सरकार और राजभवन में दूरी का सबब बना हुआ है। मगध विवि के कुलपति राजेंद्र प्रसाद पर 30 करोड़ रुपये के गबन के अलावा भी कई आरोप हैं। विजिलेंस ने कुलपति के बिहार से लेकर उत्तर प्रदेश तक के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस बीच कुलाधिपति फागू चौहान ने मंगलवार को राजेंद्र प्रसाद को 24 नवंबर से 23 दिसंबर तक चिकित्सा अवकाश मंजूर कर दिया।

तो दिग्गज यूपी में पार लगाएंगे भाजपा की नैया!

चुनौतियों से निपटना नहीं होगा आसान, अभी जारी है किसान आंदोलन

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव के पहले यूपी की सियासत चरम पर पहुंच गयी है। पीएम मोदी, अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पूरी ताकत लगा दी है। किसी भी तरह यूपी को जीतना है क्योंकि यहीं से दिल्ली की सत्ता का रास्ता जाता है। क्या है भाजपा का प्लान? क्या भाजपा यूपी की सत्ता में वापसी कर पाएगी? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार श्रवण गर्ग, अजय शुक्ला, अशोक वानखेड़े, शीतल पी सिंह, कांग्रेस प्रवक्ता सृष्टि कश्यप और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली परिचर्चा में।

अशोक वानखेड़े ने कहा, किसान आंदोलन अभी जारी है। कृषि कानून वापस हो जाने का कोई असर नहीं पड़ने वाला है। अगर जयंत चौधरी को लंबी पारी खेलनी है तो उन्हें सपा के साथ जाना होगा। यदि योगी सरकार ने अच्छा काम किया होता तो दिग्गजों को उतारने की जरूरत नहीं होती।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

शीतल पी सिंह ने कहा, हर चुनाव में शीर्ष नेतृत्व उतरता है। उन्हें पता है कि दिल्ली का रास्ता यूपी से जाता है। ऐसे में निश्चित तौर पर भाजपा के दिग्गज यूपी को जीतना चाहेंगे। हालांकि कई चुनौतियां है जिससे निपटना आसान नहीं होगा।

अजय शुक्ला ने कहा, यूपी में कैसे चुनाव जीतना है, यह पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह सीखा रहे हैं लेकिन उन्होंने इस पर चर्चा नहीं की कि कोरोना से मरने वाले मरीजों को कैसे बचाया जाए। कई मरीज तड़प-तड़प कर मर गए। सृष्टि कश्यप ने कहा, यूपीए की स्कीम भाजपा ने लागू की। अनाज बांटने की योजना कांग्रेस की है। भले कांग्रेस यूपी में न हो लेकिन यूपीए सरकार ने बहुत सी कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गईं। भाजपा को कोई फायदा नहीं मिला।

श्रवण गर्ग ने कहा, भाजपा पूरी तरह मैदान पर है। यूपी में मतदाता मन बना चुका है। ये चुनाव योगी नहीं बल्कि मोदी लड़ रहे हैं। अगर यूपी में भाजपा हार जाती है तो वह मोदी की हार मानी जाएगी। सपा के पास केवल एक नेता अखिलेश हैं। यह एक व्यक्ति की पार्टी है। भाजपा के पास बहुत से दिग्गज हैं।

डांसर सपना चौधरी की मुश्किलें बढ़ीं, कोर्ट ने खारिज की अर्जी

» कार्यक्रम रद्द करने व टिकट का पैसा वापस नहीं करने का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डांस का कार्यक्रम रद्द करने और टिकट का पैसा दर्शकों को वापस न करने के एक आपराधिक मामले में अदालत ने नामचीन डांसर सपना चौधरी के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट निरस्त करने की अर्जी खारिज कर दी है। अदालत में सपना चौधरी की ओर से यह अर्जी उनके वकील ने दाखिल की थी।

एसीजेएम शांतनु त्यागी ने अपने आदेश में कहा है कि हाईकोर्ट ने अभियुक्त सपना चौधरी को स्वयं उपस्थित होकर अर्जी दाखिल करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट के आदेश में यह व्यवस्था नहीं है कि अभियुक्त के स्थान पर उनके वकील उपस्थित होकर कोई अर्जी दाखिल करें। लिहाजा, ऐसी स्थिति में सपना चौधरी के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट निरस्त करने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने इस मामले में अग्रिम कार्यवाही के लिए 20 दिसंबर की तारीख तय की है। एक मई, 2019 को इस मामले में सपना चौधरी के खिलाफ किसी व्यक्ति के विश्वास का हनन व धोखाधड़ी करने के मामले में आरोप पत्र दाखिल हुआ था जबकि 20 जनवरी, 2019 को इस कार्यक्रम के आयोजकों जुनैद अहमद, इवाद अली, अमित पांडेय व रत्नाकर उपाध्याय के खिलाफ आइपीसी की धारा 406 व 420 में आरोप पत्र दाखिल किया गया था।

दो दिन के दौरे पर कानपुर पहुंचे राष्ट्रपति

एयरपोर्ट पर राज्यपाल और सीएम ने की अगवानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द सुबह करीब सवा ग्यारह बजे कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट पर विशेष विमान से उतरे, उनके साथ पत्नी सविता कोविन्द भी मौजूद रहीं। यहां पर पहले से उपस्थित राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी अगवानी की, वहीं कैबिनेट मंत्री सतीश महाना, कैबिनेट मंत्री नीलिमा कटियार और महापौर प्रमिला पांडे समेत भाजपा कानपुर दक्षिण जिलाध्यक्ष वीना पटेल समेत 16 लोगों ने पुष्पगुच्छ देकर शिष्टाचार भेंट की।

करीब दस मिनट बाद राष्ट्रपति का काफिला मेहरबान सिंह पुरवा में आयोजित कार्यक्रम के लिए रवाना हो गया। इसके बाद मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से लखनऊ के लिए रवाना हो गए। एयरपोर्ट से निकलकर राष्ट्रपति चौधरी हरमोहन सिंह पैरा मेडिकल इंस्टीट्यूट के कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहां से रवाना होकर सर्किट हाउस में ठहरेंगे। दूसरे दिन राष्ट्रपति हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय जाएंगे, जहां शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित करेंगे। 25 नवंबर को राष्ट्रपति एक बजे चकेरी एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

कार्यक्रम संयोजक मोहित यादव का कहना है कि राष्ट्रपति हेलीपैड पर उतरने के बाद सबसे पहले चौधरी राम गोपाल यादव और चौधरी हरमोहन सिंह यादव की समाधि स्थल पर जाएंगे और श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। उनके साथ राज्यपाल भी होंगी। राष्ट्रपति शाम पांच बजे से सर्किट हाउस में लोगों से मिलेंगे, जिनमें चिकित्सक, समाजसेवी, उद्यमी और मित्र शामिल हैं। राज्यपाल 25 नवंबर को भी विश्वविद्यालय में उनके साथ रहेंगी।

26 घंटे कानपुर में रहेंगे राष्ट्रपति

राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द कानपुर शहर में 25.55 घंटे रहेंगे। राष्ट्रपति एयरपोर्ट से 11:35 बजे मेहरबान सिंह का पुरवा में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए रवाना हो चुके हैं। दोपहर में सिविल एयरोड्रम के लिए उड़ान भरेंगे और फिर सर्किट हाउस आ जाएंगे। अगले दिन 10:45 बजे एचबीटीयू जाएंगे। वहां से 12:50 बजे चकेरी एयरपोर्ट जाएंगे और एक बजे दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

वायु प्रदूषण पर शीर्ष सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा

हालात बिगड़ने से पहले एक्शन क्यों नहीं लेतीं राज्य सरकारें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण के मामले पर आज सुनवाई हुई। कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि जब मौसम गंभीर होता है तो उपाय किए जाते हैं। वायु प्रदूषण को रोकने की कोशिशें पहले ही की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह वायु प्रदूषण मामले की सुनवाई बंद नहीं करेगा और फिलहाल इस पर अंतिम आदेश नहीं देगा। अदालत ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए वह इसकी सुनवाई करता रहेगा।

केंद्र की ओर से कोर्ट को बताया गया कि दिल्ली में वायु प्रदूषण में सुधार हुआ है। जहां पहले एक्यूआई 400 के पार था वह अब 290 हो गया है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से तीखा सवाल करते हुए कहा, प्रदूषण तो तेज हवा से कम हुआ है, आपने क्या किया है? सुप्रीम कोर्ट ने पूछा, आप बताइए प्रदूषण को रोकने के लिए क्या किया गया? आपने कहा था कि 21 नवंबर से हालात ठीक होंगे। तेज हवा की वजह से हम बच गए हैं लेकिन मौसम विभाग के अनुसार हालात आज शाम से फिर गंभीर हो सकते हैं। वहीं, केंद्र ने कोर्ट को बताया कि निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध और नहीं बढ़ाया जाएगा। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के इस सुझाव को मान लिया था कि दिल्ली-एनसीआर प्रदूषण मामले पर कोई आदेश

देने से पहले कोर्ट 21 नवंबर तक इंतजार किया जाए। केंद्र का कहना था कि दीवाली में प्रतिबंध के बावजूद पटाखों के चलते प्रदूषण में इजाफा हुआ है। इसके अलावा मौसम विभाग की रिपोर्ट है कि उसके बाद से स्थितियों में सुधार होना शुरू होगा। सुनवाई की शुरूआत में याचिकाकर्ता वकील विकास सिंह ने कहा कि एक अखबार में खबर छपी कि पंजाब में चुनाव के कारण पराली जलाने पर कोई जुर्माना नहीं लगाया। इस पर सीजेआई एनवी रमन्ना ने कहा कि हम इससे संबंधित नहीं हैं। विकास सिंह ने कहा कि हम प्रदूषण से चिंतित हैं जिस पर जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि हम राज्यों को माइक्रो मैनेज नहीं कर सकते हैं।

लखीमपुर: सड़कों के पुनर्निर्माण में भ्रष्टाचार, शासन को शिकायत

» बौधिया कलां गांव के प्रधान ने लोक निर्माण मंत्री को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर जिले की तहसील धौरहरा के ब्लॉक निघासन एवं पलिया में क्षतिग्रस्त सड़कों को बनवाने में भ्रष्टाचार की शिकायतें मिली हैं। बौधिया कलां गांव के प्रधान सैय्यद मकसूद अली ने इस संबंध में लोक निर्माण मंत्री केशव प्रसाद मौर्य को पत्र लिखा है। पत्र में मकसूद अली ने बताया कि क्षतिग्रस्त सड़कों में लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं द्वारा भ्रष्टाचार कर अद्योमानक सामग्री लगाकर इतिश्री कर ली गई है।

उन्होंने लिखा कि विगत माह में आई बाढ़ की विभीषिका के कारण जिले के दर्जनों गांव प्रभावित हुए हैं। सड़कें भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। कई सड़कें टूटी होने से क्षेत्रवासियों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है। यही नहीं, कुछ सड़कों की मरम्मत का निर्माण यहां के अभियंताओं ने करवाया भी मगर खानापूर्ति कर। आरोप ये भी है कि अभियंताओं ने सरकारी धनराशि का दुरुप्रयोग किया। मनमाने तरीके से कार्य कर सड़कों में अद्योमानक मेटेरियल लगाया गया। प्रधान सैय्यद मकसूद अली ने कहा, इससे सरकार की मंशा एवं विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह लगा। इसलिए बौधिया कलां के अद्योमानक सड़क निर्माण का संज्ञान लेते हुए सड़कों को मानकानुसार मरम्मत कराने एवं त्वरित रूप से निर्माण कराने हेतु संबंधित प्रांतीय खंड लोक निर्माण

विभाग को स्पष्ट निर्देश जारी करें। साथ ही तीनों तहसीलों में गांवों की सड़कों का शासन द्वारा औचक निरीक्षण भी किया जाए।

अखिलेश का किसानों से बड़ा वादा, सरकार आते ही शहीद किसानों के परिजनों को देंगे 25 लाख

» आंदोलन में शहीद हुए किसानों के परिजनों को मिलेगी 25 लाख की 'किसान शहादत सम्मान राशि'

» सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ट्वीट कर की घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने ट्वीट कर घोषणा की कि किसान का जीवन अनमोल होता है क्योंकि वो 'अन्य' के जीवन के लिए 'अन्न' उगाता है। उन्होंने लिखा कि हम वचन देते हैं कि 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार आते ही किसान आंदोलन के शहीदों को 25 लाख की 'किसान शहादत सम्मान राशि' दी जाएगी। अखिलेश यादव की

इस घोषणा का किसान नेताओं ने सम्मान किया है।

कई किसान संगठनों ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक निर्णय है। इससे किसानों की पीड़ा कम हो जाएगी और आंदोलन में शहीद हुए परिवार अपने परिवार का भरण पोषण कर सकेंगे। अखिलेश इससे पहले भी किसानों के लिए कई घोषणाएं कर चुके हैं। उन्होंने हमेशा कहा सपा किसानों के साथ खड़ी है। लखीमपुर हिंसा के बाद अखिलेश किसानों के परिजनों से मिलने उनके घर भी गए थे। साथ ही उनको ढांढस बधाया कि उनकी हरसंभव सहायता की जाएगी।

अन्नदाता को सताया है भाजपा ने

अखिलेश यादव ने कहा किसानों के कंधे पर बंदूक रखकर भाजपा चला रहा है। मगर उसे यह ध्यान रहे कि किसानों के आंसू बर्बाद नहीं जाएंगे। अन्नदाता को जिसने भी सताया है, उसकी सरकार ज्यादा दिन टिक नहीं सकी। अखिलेश ने कहा किसान सर्वोपरि है। सरकार इनकी बात सुनें और इनकी सभी मांगों का जल्द निराकरण करें तो ही देश का किसान खुशहाल होगा।

बीजेपी सांसद को जान से मारने की धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर और पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद गौतम गंभीर ने दिल्ली पुलिस में शिकायत की है कि उन्हें आईएसआईएस कश्मीर से जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। इस मामले की जानकारी देते हुए डीसीपी सेंट्रल श्वेता चौहान ने बताया कि मामले में जांच चल रही है।

सांसद गौतम गंभीर की सुरक्षा भी कड़ी कर दी गई है। जानकारी के अनुसार गौतम गंभीर को बीती रात उनके आधिकारिक ई-मेल पर आईएस कश्मीर ने उन्हें धमकी भरा मेल भेजा। इस मेल में धमकी दी गई है कि हम तुम्हें (गौतम गंभीर को) और तुम्हारे परिवार को जान से मार देंगे। इस ई-मेल के प्राप्त होने के बाद गंभीर ने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दी। अब इस मामले की जांच दिल्ली पुलिस की साइबर सेल को सौंपी गई है। मामले की जांच जारी है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।